शुक्रवार
28 अगस्त 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 216
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

देवीधुरा में फलों-फूलों से बरसी बग्वाल!

◆ऐतिहासिक पाषाण युद्ध के साक्षी बने लाखों श्रद्धालु

संवाददाता

देहरादून/ चम्पावत। चम्पावत के विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ वाराही धाम देवीधुरा में शुक्रवार को ऐतिहासिक बग्वाल मेले का भव्य आयोजन हुआ। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आयोजित इस प्रसिद्ध मेले में आस्था, परंपरा, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। मेले में प्रतिभाग करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हेलीकॉप्टर से देवीधुरा हेलीपैड पहुंचे। हेलीपैड पर कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड पर पारंपरिक लोकनृत्य छोलिया की मनमोहक प्रस्तुति के साथ मा. मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवीधुरा की पावन भूमि और विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बग्वाल मेले को उत्तराखंड की अगाध आस्था, समृद्ध लोक-संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से 'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के अंतर्गत कुमाऊँ क्षेत्र के प्रमुख पौराणिक एवं धार्मिक स्थलों का कायाकल्प किया जा रहा है। देवीधुरा मंदिर परिसर में 4.27 करोड़ रुपये की लागत से गढ़वाल खाम भवन तथा 4.57 करोड़ रुपये की लागत से रणकोची मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। इसके अतिरिक्त घटोत्कच मंदिर का सौंदर्यीकरण, घटकु हिडिंबा मंदिर का निर्माण, सप्तेश्वर महादेव मंदिर में स्नानघाट तथा लधौनधुरा मेला स्थल का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि घटोत्कच से झालिमाली मंदिर मार्ग के डामरीकरण पर 1.95 करोड़ रुपये, विभिन्न मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए 4.70 करोड़ रुपये तथा पूर्णागिरि मार्ग पर 5 करोड़ रुपये की स्ट्रीट लाइट परियोजना के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही पाताल रुद्रेश्वर, खेतीखान सूर्य मंदिर, भूमिया देव मंदिर, भिगराड़ा मंदिर एवं डुंगरी-फत्याल शिव मंदिर से संबंधित विकास कार्य भी गतिमान हैं। विगत पांच वर्षों में धार्मिक अवस्थापना एवं सौंदर्यीकरण के तहत 68.58 करोड़ रुपये की लागत से 397 कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने देवीधुरा को नगर पंचायत क्षेत्र बनाने बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि देवीधुरा में 9.80 करोड़ रुपये की लागत से मल्टी लेवल पार्किंग का निर्माण कार्य शीघ्र कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बग्वाल मेले को 'राजकीय मेला' घोषित कर इसकी गरिमा बढ़ाने के साथ ही व्यवस्थाओं को भी और अधिक सुदृढ़ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने चार खामख्रसात थोक के बीच खेले जाने वाले इस अनोखे प्राचीन पाषाण युद्ध का भी अवलोकन किया। रक्षाबंधन के अवसर पर मेले में बच्चियों एवं महिलाओं ने मा. मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। मुख्यमंत्री ने कहा, "माँ वाराही मइया सबकी चिंता करती हैं। यह अनोखी विरासत केवल देवीधुरा के बग्वाल मैदान में देखने को मिलती है। यहां की परंपरा अनुशासन और भाईचारे की मिसाल है, जहां बग्वाल के बाद सभी योद्धा गले मिलते हैं।"

इस अवसर पर मा. कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद अजय टम्टा, अध्यक्ष जिला पंचायत श्री आनंद सिंह अधिकारी, माँ वाराही मंदिर समिति अध्यक्ष हीराबल्लभ

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

15 हजार की उधारी न चुकाने पर

दोस्तों ने की दोस्त की हत्या

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 15 हजार रूपये की उधारी न चुकाने पर दोस्तों ने ही दोस्त की हत्या कर डाली। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक के दो दोस्तो को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीती 23 अगस्त को कोतवाली मंगलौर पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम टिकोला रजवाहे पर एक अज्ञात शव पड़ा हुआ है। शव की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गयी। मृतक की

शिनाख्त कपिल पुत्र मेघपाल निवासी ग्राम टिकोला कोतवाली मंगलौर जनपद हरिद्वार के रूप में हुई। मामले में मृतक के भाई अमित कुमार द्वारा थाना कोतवाली मंगलौर पर रितिक तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। जांच में पाया गया कि जिन लोगों पर मृतक की हत्या के आरोप लगे थे वह सही है। जिस पर पुलिस ने दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियो ने बताया कि मृतक कपिल तथा आरोपी रितिक व दीपक की आपस में दोस्ती थी तथा आपस में पैसों का लेना-देना भी चलता था। मृतक कपिल द्वारा रितिक व दीपक से 15000 रूपये उधार लिये थे तथा 700 रुपये के कपडे खरीदे थे। घटना के दिन योजना के तहत आरोपियों ने कपिल को बुलाकर टिकोला पुलिया पर शराब पिलाई। शराब पीने के दौरान मृतक द्वारा अपना फोन निकाल रिकित व दीपक की विडियो बनाने की बात कही गई जिससे नाराज होकर दोनों ने उसे मौत के घाट उतार दिया और लाश पानी की रजवाहे मे डाल मोटर साइकिल से फरार हो गये। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को बरामद किया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

हिमालय की चेतावनी

हिमालय फिर चेतावनी दे रहा है। सवाल यह है कि हम सुन रहे हैं या नहीं? नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ को महज एक प्राकृतिक आपदा मानकर आगे बढ़ जाना आसान है। लेकिन हिमालय की घाटियों से उठती इस तबाही को केवल बादल, बारिश या ग्लेशियर टूटने की घटना बताकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। यह घटना उस बड़े खतरे की ओर इशारा कर रही है, जिसके बीच उत्तराखंड, हिमाचल और नेपाल जैसे हिमालयी क्षेत्रों में लगातार सड़कें, सुरंगें, बांध, जलविद्युत परियोजनाएं और दूसरी बड़ी परियोजनाएं खड़ी की जा रही हैं। नेपाल की हालिया त्रासदी में पानी के साथ पहाड़ का मलबा भी नीचे आया और बुनियादी ढांचे को तबाह करता चला गया। रिपोर्टों के मुताबिक सड़कें, पुल और बिजली से जुड़ा बुनियादी ढांचा भी इसकी चपेट में आया। यही वह बिंदु है, जहां उत्तराखंड को अपनी तरफ देखना होगा। क्योंकि हिमालय कोई सामान्य भूभाग नहीं है। यह भूगर्भीय रूप से युवा और अत्यंत संवेदनशील पर्वत श्रृंखला है। यहां चट्टानें कमजोर हैं, ढलान तीखे हैं, नदियों की घाटियां संकरी हैं और भारी बारिश या ग्लेशियर से जुड़ी घटनाएं अचानक बड़ी तबाही में बदल सकती हैं। विशेषज्ञ यह भी मानते रहे हैं कि सड़क कटिंग, सुरंग निर्माण, जलविद्युत परियोजनाएं और मलबे का अनियोजित निस्तारण प्राकृतिक ढलानों की संवेदनशीलता बढ़ा सकते हैं। तो सवाल सीधा है क्या पहाड़ में बने हमारे प्रोजेक्ट बदलते मौसम और बदलते हिमालय के मुताबिक सुरक्षित हैं? सिर्फ परियोजना की डिजाइन देखकर इसका जवाब नहीं मिल सकता। हमें यह देखना होगा कि जिस पहाड़ में परियोजना बनाई गई है, वह अगले 20, 30 या 50 साल में कैसा व्यवहार करेगा, जिस नदी पर बांध बनाया गया है, उसका जल प्रवाह चरम बारिश की स्थिति में कितना बदल सकता है? जिस पहाड़ के भीतर सुरंग बनाई गई है, वहां भूस्खलन या भूगर्भीय हलचल की स्थिति में क्या होगा? और सबसे महत्वपूर्ण अगर एक परियोजना विफल होती है तो उसके नीचे बसे गांवों और दूसरी परियोजनाओं पर उसका असर कितना होगा? यही संचयी जोखिम का सवाल है, जिसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों की घटनाओं ने पहले ही बता दिया है कि पहाड़ की आपदाएं अब केवल एक स्थान तक सीमित नहीं रहतीं। एक जगह भूस्खलन होता है तो सड़क बंद होती है, सड़क बंद होती है तो राहत प्रभावित होती है, नदी में मलबा जाता है तो दूसरी जगह खतरा पैदा होता है। अगर इसी श्रृंखला में कोई बड़ी परियोजना भी शामिल हो जाए तो नुकसान कई गुना बढ़ सकता है। हिमालय में विकास जरूरी है। बिजली चाहिए, सड़क चाहिए, संचार चाहिए, रोजगार चाहिए और गांवों तक बेहतर सुविधाएं भी पहुंचनी चाहिए। सवाल विकास के खिलाफ खड़े होने का नहीं है। सवाल यह है कि क्या विकास की रफ्तार पहाड़ की वहन क्षमता से ज्यादा तो नहीं हो रही? क्योंकि अगर पहाड़ ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो उस पर खड़ा विकास भी सुरक्षित नहीं रह सकता। नेपाल की घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह साझा हिमालय और साझा नदी तंत्र की वास्तविकता सामने लाती है। सीमा के इस पार या उस पार हुई बड़ी प्राकृतिक घटना का असर दूसरे देश और दूसरे क्षेत्र तक पहुंच सकता है। इसलिए हिमालय के लिए आपदा प्रबंधन भी सीमाओं से बाहर सोचने की जरूरत है। अब वक्त केवल आपदा आने के बाद राहत और बचाव की व्यवस्था मजबूत करने का नहीं, बल्कि आपदा से पहले परियोजनाओं की सुरक्षा का आडिट करने का है। हर बड़ी परियोजना की दोबारा समीक्षा होनी चाहिए। भूगर्भीय स्थिरता, अत्यधिक वर्षा, ग्लेशियर से जुड़े खतरे, भूस्खलन, मलबे का दबाव और परियोजना के नीचे रहने वाली आबादी के जोखिम को ध्यान में रखकर। हाल के वर्षों में हिमालयी जलविद्युत परियोजनाओं के आसपास बार-बार सामने आए बाढ़ और भूस्खलन के मामलों ने भी परियोजना नियोजन और आपदा तैयारी पर सवाल उठाए हैं। सबसे जरूरी है रियल टाइम चेतावनी तंत्र। पहाड़ में कई बार आपदा आने और चेतावनी मिलने के बीच समय बहुत कम होता है। ऐसे में मौसम, नदी के जलस्तर, ग्लेशियर झीलों और भूस्खलन की निगरानी को परियोजना सुरक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। नेपाल की बाढ़ को देखकर डरने की नहीं, जागने की जरूरत है। क्योंकि हिमालय हमें बार-बार बता रहा है कि वह हमारी फाइलों, नक्शों और परियोजना रिपोर्टों के हिसाब से नहीं चलता। उसकी अपनी भूगर्भीय भाषा है, अपना स्वभाव है और अपनी सीमाएं हैं। विकास पहाड़ पर होना चाहिए, लेकिन पहाड़ की कीमत पर नहीं। नेपाल की त्रासदी को अगर हमने सिर्फ एक और आपदा मान लिया, तो अगली चेतावनी शायद हमारे दरवाजे पर होगी। सवाल सिर्फ यह नहीं कि पहाड़ में बने प्रोजेक्ट कितने बड़े हैं। सवाल यह है कि वह बदलते हिमालय के सामने कितने टिकाऊ हैं।

उत्तराखंड के सियासी मैदान में 'बयानवीर'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की आहट तेज होते ही सियासी मैदान में बयानवीरों की सक्रियता बढ़ गई है, जिन नेताओं की आवाज लंबे समय से संगठनात्मक बैठकों या सीमित राजनीतिक मंचों तक सुनाई दे रही थी, वह अब सार्वजनिक मंचों, प्रेस कांफ्रेंस और सोशल मीडिया पर लगातार नजर आने लगे हैं। कोई अपनी ही पार्टी की रणनीति पर सवाल उठा रहा है तो कोई विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोलकर खुद को सबसे मुखर चेहरा साबित करने में जुटा है। चुनाव अभी कुछ दूर है, लेकिन राजनीतिक तापमान तेजी से बढ़ रहा है। टिकट की दावेदारी, संगठन में जगह, राजनीतिक भविष्य और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर नेताओं के बीच अंदरूनी खींचतान भी अब धीरे-धीरे सार्वजनिक होती दिख रही है। बयान अब केवल विपक्ष पर हमला करने का हथियार नहीं रह गए हैं, बल्कि कई बार अपनी ही पार्टी के भीतर संदेश देने का माध्यम भी बन रहे हैं।

उत्तराखंड की राजनीति में चुनाव से पहले नेताओं का मुखर होना कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार सोशल मीडिया ने बयानबाजी को और धार दे दी है। सुबह दिया गया बयान दोपहर तक वायरल हो जाता है और शाम तक उस पर पार्टी के भीतर और बाहर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो जाता है। ऐसे में कई नेता शायद यह भी समझने लगे हैं कि राजनीतिक चर्चा में बने रहने का सबसे आसान रास्ता बयान देना है। विधानसभा चुनाव के करीब आते ही संभावित दावेदारों की सक्रियता बढ़ना स्वाभाविक है। हर सीट पर कई चेहरे अपनी जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। ऐसे में नेताओं के लिए सिर्फ जनता के बीच जाना ही पर्याप्त नहीं रह गया है। उन्हें पार्टी नेतृत्व की नजर में भी अपनी उपयोगिता साबित करनी है। यहीं से बयानबाजी का खेल शुरू होता है।

किसी नेता का बयान अपनी ही सरकार या संगठन की कार्यशैली पर सवाल

◆चुनाव की आहट मिलते ही बंद कमरों की बैठकों से निकलकर सार्वजनिक मंचों पर छाने की होड़
◆सबसे मुखर चेहरा बनने की रेस में विपक्षी दलों के साथ ही पार्टी की रणनीति पर उठ रहे सवाल
◆क्षेत्रीय दबदबा कायम रखने के लिए बयानबाजी बना सियासी संदेश देने का सबसे बड़ा हथियार

खड़ा करता है तो किसी दूसरे नेता का बयान सीधे पार्टी के भीतर चल रही खींचतान की ओर इशारा करता है। कई बार नेता किसी मुद्दे पर पार्टी लाइन से अलग राय रखते हुए दिखाई देते हैं। इसे कोई जनहित की आवाज बताता है तो कोई टिकट की राजनीति का हिस्सा। राजनीति में धारणा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना संगठन। इसलिए हर बयान के पीछे राजनीतिक संदेश तलाशा जाने लगा है।

चुनाव के समय विपक्ष पर हमला करना राजनीति का सामान्य हिस्सा है। भाजपा के नेता कांग्रेस को निशाने पर ले रहे हैं तो कांग्रेस नेता भाजपा सरकार की नीतियों और कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। क्षेत्रीय दल भी अपनी जमीन तलाशने में जुटे हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि कई बयान विपक्ष से ज्यादा अपनी पार्टी के भीतर चर्चा पैदा कर रहे हैं। नेता जब अपनी ही पार्टी के किसी फैसले पर सवाल उठाता है तो उसका निशाना वास्तव में कौन है यह सवाल राजनीतिक गलियारों में घूमने लगता है। बयान देने वाला नेता भले ही इसे जनभावना की आवाज बताए, लेकिन पार्टी के भीतर इसे टिकट, पद या प्रभाव की राजनीति से जोड़कर देखा जाता है। यानी बयान विपक्ष के लिए हो सकता है, लेकिन संदेश अक्सर अपनों के लिए होता है।

पहले नेता बयान देते थे तो अगले दिन अखबारों में उसकी खबर आती थी। अब तस्वीर कुछ अलग है। सोशल मीडिया ने हर नेता को अपना छोटा सा मीडिया प्लेटफार्म दे दिया है। एक वीडियो, एक पोस्ट या कुछ पंक्तियों का बयान राजनीतिक बहस को जन्म देने के लिए काफी है। यही वजह है कि नेता अब मुद्दों पर प्रतिक्रिया देने में देर नहीं करना चाहते। कोई घटना हुई नहीं कि बयान तैयार। विपक्ष ने कुछ कहा नहीं कि पलटवार तैयार। पार्टी ने कोई फैसला किया नहीं कि समर्थन या विरोध का संदेश तैयार। राजनीति में सक्रियता जरूरी है, लेकिन लगातार बयान देने की होड़ ने कई बार मुद्दे की गंभीरता को पीछे छोड़ दिया है।

चुनावी राजनीति में बयान महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन आखिरकार जनता के

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कुनबा बढ़ाने की 'होड़' में वोट बैंक का 'गणित'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 की चुनावी बिसात बिछने के साथ ही राजनीतिक दलों का कुनबा बढ़ाने और सामाजिक समीकरण साधने का सिलसिला तेज हो गया है। इसी क्रम में गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट का भारतीय जनता पार्टी में विलय भाजपा के लिए एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। भाजपा इसे संगठन के विस्तार के साथ-साथ गोरखा समाज के बीच अपनी स्वीकार्यता मजबूत होने के संकेत के तौर पर देख रही है। भाजपा का संदेश साफ है 2027 में लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने की तैयारी केवल नारों से नहीं, बल्कि समाज के अलग-अलग वर्गों को साथ जोड़कर की जा रही है। गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट का पार्टी में विलय इसी रणनीति की एक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल उत्तराखंड की राजनीति में गोरखा समाज की भूमिका लंबे समय से महत्वपूर्ण रही है। देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में गोरखा समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति है। ऐसे में किसी राजनीतिक संगठन का भाजपा के साथ आना चुनावी दृष्टि से महज एक संगठन का विलय नहीं, बल्कि सामाजिक पहुंच बढ़ाने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। भाजपा इसे अपने लिए इसलिए भी शुभ संकेत मान रही है क्योंकि विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही समय बचा है और पार्टी पहले से ही बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की कवायद में जुटी है। ऐसे समय में अलग-अलग सामाजिक समूहों और क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों का भाजपा के साथ जुड़ना पार्टी के चुनावी अभियान को मनोवैज्ञानिक बढ़त देने वाला कदम माना जा रहा है।

हालांकि भाजपा के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। किसी संगठन का विलय कागज पर जितना आसान दिखाई देता है, उसे चुनावी वोट में बदलना उतना ही चुनौतीपूर्ण होता है। गोरखा समाज के

◆चुनाव नजदीक आते ही सामाजिक वर्गों को साधने की रणनीति तेज
◆प्रदेश में असरदार गोरखा समाज का मिला उत्तराखंड भाजपा का साथ
◆पकड़ मजबूत करने की कवायद, कांग्रेस पार्टी की बढ़ गई है चुनौती

बीच भाजपा को यह साबित करना होगा कि विलय केवल चुनावी गणित का हिस्सा नहीं है, बल्कि समाज से जुड़े मुद्दों और अपेक्षाओं को भी पार्टी के राजनीतिक एजेंडे में पर्याप्त स्थान मिलेगा। यही विपक्ष के लिए भी बड़ा सवाल है। कांग्रेस और दूसरे राजनीतिक दल अब यह आकलन करने में जुटेंगे कि भाजपा के इस कदम का सामाजिक और चुनावी प्रभाव कितना हो सकता है। यदि विपक्ष ने इसे केवल एक राजनीतिक दल के विलय तक सीमित समझा तो भाजपा को इसका फायदा मिल सकता है। लेकिन यदि विपक्ष गोरखा समाज के स्थानीय मुद्दों, युवाओं की अपेक्षाओं, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक सम्मान को लेकर ठोस रणनीति तैयार करता है तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है।

भाजपा की रणनीति पिछले कुछ समय से स्पष्ट दिखाई दे रही है। पार्टी एक ओर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर रही है, दूसरी ओर छोटे राजनीतिक समूहों और प्रभावशाली सामाजिक चेहरों को अपने साथ जोड़ रही है। लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि चुनाव से पहले ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार करना है जिसमें पार्टी का संगठनात्मक आत्मविश्वास दिखाई दे। गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट का विलय इसी आत्मविश्वास को और बढ़ाने वाला घटनाक्रम माना जा रहा है। भाजपा इसे 2027 की हैट्रिक के लिए शुभ संकेत बता रही है। लेकिन चुनावी राजनीति में शुभ संकेत तभी परिणाम में बदलते हैं, जब संगठन की सक्रियता और जनता का समर्थन एक साथ दिखाई दे। 2022 में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी कर इतिहास बनाया था। अब उसके सामने उस प्रदर्शन को दोहराने के साथ-साथ सत्ता विरोधी माहौल की किसी भी संभावना को रोकने की चुनौती है।

ऐसे में हर राजनीतिक संगठन का साथ आना भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है कि पार्टी अपने पुराने समर्थकों के साथ नए सामाजिक समूहों को कितना प्रभावी ढंग से जोड़ पाती है। गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट के विलय ने फिलहाल भाजपा के चुनावी खेमे में उत्साह जरूर बढ़ाया है। इसे पार्टी 2027 की राह

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

आरटीआई में लापरवाही पर तीन पीसीएस अधिकारियों पर जुर्माना

कोटद्वार(आरएनएस)। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतना तत्कालीन तीन लोक सूचना अधिकारियों को भारी पड़ा।राज्य सूचना आयुक्त दलीप सिंह कुंवर ने एक मामले में तीनों अधिकारियों पर कुल 25 हजार रुपये की जुर्माना लगाया है। आयोग ने पाया कि करीब दो साल से अधिक समय बीतने के बावजूद शिकायतकर्ता को मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई।शिकायतकर्ता मुजीब नैथानी ने जिला विकास प्राधिकरण से संबंधित सूचनाएं मांगी थीं। मामला अवैध निर्माण और उससे संबंधित कार्रवाई के अभिलेखों से जुड़ा था। पूर्व में आयोग के आदेश के बावजूद सूचना उपलब्ध कराने में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि तत्कालीन लोक सूचना अधिकारी रहे अधिकारियों ने न तो शिकायतकर्ता को सूचना उपलब्ध कराई और न ही प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई की। इसे आरटीआई अधिनियम, 2005 के प्रावधानों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए आयोग ने उनके स्पष्टीकरण अस्वीकार कर दिए।आयोग ने तत्कालीन एसडीएम लैंसडौन शालिनी मौर्य पर 10 हजार, तत्कालीन संयुक्त सचिव जिला विकास प्राधिकरण सोहन सिंह सैनी पर 20 हजार और तत्कालीन एसडीएम कोटद्वार प्रमोद कुमार पर एक हजार का जुर्माना लगाया। वहीं, वर्तमान लोक सूचना अधिकारी संदीप कुमार और तत्कालीन एसडीएम चतर सिंह चौहान के संबंध में कारण बताओ नोटिस वापस लेते हुए कार्रवाई समाप्त कर दी गई। आयोग ने जुर्माना नियमानुसार वसूल कर संबंधित अधिकारियों को सूचना आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

खोदी सड़कें ठीक नहीं करने से लोगों में आक्रोश

हल्द्वानी(आरएनएस)। बिठौरिया क्षेत्र में पेयजल लाइन बिछाने के लिए खोदी गईं सड़कों को महीनों बाद भी ठीक नहीं किए जाने से लोगों में आक्रोश बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बैठक कर यूयूएसडीए से बदहाल सड़कें ठीक करने की मांग उठाई। वहीं जल्द सुनवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस मौके पर रमेश चन्द्र पांडे, डीएस बिष्ट, बहादुर सिंह बिष्ट, विजय कुमार, योगेश लोहनी, रवीन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार, किशोरी लाल, धनी राम, हरीश चन्द्र आर्या, जगदीश चंद्र आर्या, गोपाल राम, मोती राम, लक्ष्मण प्रसाद, सुरेश चंद्र आदि मौजूद रहे।

सिसौना और शहदौरा के विद्यालय 12वीं तक उच्चीकृत

रुद्रपुर(आरएनएस)। क्षेत्र के दो राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राउमावि सिसौना और राउमावि शहदौरा को इंटरमीडिएट स्तर तक उच्चीकृत करने की शासन से स्वीकृति मिल गई है। शासन की मंजूरी के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने इसे अपने चुनावी वादों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सितारगंज में शिक्षा को बेहतर और सुलभ बनाने का जो संकल्प लिया गया था, उसे धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आभार जताते हुए लोगों को बधाई दी।उन्होंने कहा कि दोनों विद्यालयों के उच्चीकरण से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों, विशेषकर बेटियों को 12वीं तक की शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। अब उन्हें गांव के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।

भनोली-ध्याड़ी में भाजपा की बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर बैठक आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर भनोली-ध्याड़ी क्षेत्र के डुंगरा में भाजपा के बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत आयोजित बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर का कार्यकर्ता है और जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी उसी की है। बैठक को संबोधित करते हुए बिट्टू कर्नाटक ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि वर्षभर जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक बूथ पर सक्रिय भागीदारी और आपसी समन्वय को आवश्यक बताते हुए अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बूथ सशक्तिकरण अभियान का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करना और प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी जिम्मेदारी के प्रति सक्रिय बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के समर्थन के बल पर भाजपा प्रदेश में एक बार फिर मजबूत सरकार बनाएगी। बैठक में बूथ स्तर की संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रताप सिंह गैड़ा, प्रभारी गोपाल सिंह बिष्ट, दीवान राम कोहली, जानकी काण्डपाल, माधो सिंह बिष्ट, जगदीश कांडपाल, तारा सिंह मेहरा, इंद्र पालीवाल, दिलीप सिंह सिंगवाल, प्रताप भैसोड़ा, जगत भैसोड़ा, जगत बिष्ट, खीमा नंद पालीवाल, रमा आर्य, हरीश तिवारी, भवान बिष्ट, धन राम, तेज सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेरोजगारी और पलायन पर आर-पार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज होने के साथ ही कांग्रेस ने युवाओं के बीच अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ानी शुरू कर दी है। इसी क्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के युवाओं से संवाद का कार्यक्रम प्रदेश की सियासत में नई हलचल पैदा कर सकता है। संवाद के केंद्र में रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाएं, भर्ती प्रक्रिया और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे रहने की संभावना है। उत्तराखंड की राजनीति में युवा मतदाता हमेशा महत्वपूर्ण रहे हैं। पहाड़ी राज्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में बेरोजगारी और पलायन शामिल हैं। बड़ी संख्या में युवा रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में प्रदेश से बाहर जाते हैं। ऐसे में चुनाव से पहले युवाओं के बीच पहुंचना किसी भी राजनीतिक दल के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। राहुल गांधी का युवाओं से संवाद इसी राजनीतिक जरूरत से जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस इसे महज एक राजनीतिक कार्यक्रम के बजाय युवाओं की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके मुद्दों को चुनावी विमर्श के केंद्र में लाने के प्रयास के रूप में पेश कर सकती है।

उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों की भर्ती, परीक्षाओं में अनियमितता के आरोप और पेपर लीक जैसे मुद्दे पिछले कुछ वर्षों से राजनीतिक बहस का हिस्सा रहे हैं। कांग्रेस लगातार इन मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधती रही है। राहुल गांधी के संवाद में भी युवाओं से उनके अनुभव जानने और रोजगार के सवाल पर सरकार को घेरने की रणनीति दिखाई दे सकती है। कांग्रेस की कोशिश होगी कि युवाओं के बीच यह संदेश जाए कि पार्टी उनके रोजगार और भविष्य के सवालों को राजनीतिक प्राथमिकता दे रही है। हालांकि, कांग्रेस के सामने चुनौती सिर्फ सरकार पर सवाल

◆राहुल का सीधा संवाद, अब बैकफुट से फ्रंटफुट पर आएंगे
◆चुनावी रण में रोजगार के सवाल को धार देने की तैयारी
◆उत्तराखंड के युवा मतदाताओं को साधने में जुटे राहुल गांधी

उठाने की नहीं बल्कि वैकल्पिक रोजगार नीति का स्पष्ट खाका सामने रखने की भी होगी। युवा अब केवल आरोप-प्रत्यारोप सुनने के बजाय यह जानना चाहते हैं कि सत्ता में आने पर राजनीतिक दल उनके लिए क्या करेंगे।

उत्तराखंड में राजनीतिक दलों ने युवा मतदाताओं को लेकर अपनी रणनीति तेज कर दी है। सोशल मीडिया अभियान, युवा सम्मेलन, रोजगार के मुद्दों पर आंदोलन और संवाद कार्यक्रमों के जरिए राजनीतिक दल युवाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी का कार्यक्रम इस अभियान को राष्ट्रीय स्तर का राजनीतिक चेहरा दे सकता है। कांग्रेस के लिए यह मौका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2027 का चुनाव उसके लिए प्रदेश की सत्ता में वापसी की बड़ी लड़ाई होगा। पार्टी की कोशिश होगी कि राहुल गांधी का संवाद सिर्फ भाषण तक सीमित न रहे, बल्कि युवाओं की वास्तविक समस्याओं और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श से जोड़ा जाए।

उत्तराखंड का युवा सिर्फ नौकरी नहीं चाहता। वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, स्थानीय स्तर पर रोजगार, उद्यमिता के अवसर और सम्मानजनक भविष्य चाहता है। पहाड़ के युवा के लिए चुनौती और बड़ी है, क्योंकि रोजगार के अवसरों की कमी पलायन को बढ़ाती है। ऐसे में राहुल गांधी के सामने युवाओं से संवाद के दौरान कई सवाल होंगे पहाड़ में रोजगार कैसे आएगा? सरकारी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी कैसे बनाया जाएगा? निजी क्षेत्र में अवसर कैसे बढ़ेंगे? पलायन रोकने के लिए क्या मॉडल होगा? स्थानीय संसाधनों से रोजगार कैसे पैदा होंगे? इन सवालों के जवाब कांग्रेस के लिए चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगे।

कांग्रेस के लिए राहुल गांधी का युवाओं से संवाद सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि चुनावी नैरेटिव बनाने की कवायद भी हो सकता है। यदि पार्टी युवाओं के मुद्दों को लगातार अभियान का केंद्र बनाती है तो रोजगार बनाम विकास, भर्ती बनाम वादे और पलायन बनाम स्थानीय अवसर जैसे सवाल चुनावी बहस में प्रमुखता हासिल कर सकते हैं। भाजपा की ओर से भी कांग्रेस के आरोपों का जवाब आना तय माना जा रहा है। ऐसे में युवाओं के मुद्दे पर आने वाले दिनों में सियासी टकराव और तेज हो सकता है। 2027 की चुनावी लड़ाई में कौन सा दल युवाओं का भरोसा जीतता है, यह आने वाला समय बताएगा। लेकिन इतना तय है कि उत्तराखंड की चुनावी राजनीति में अब युवाओं को सिर्फ भीड़ के रूप में नहीं देखा जा सकता। उन्हें सुनना होगा, उनके सवालों का जवाब देना होगा और रोजगार के सवाल पर ठोस रोडमैप भी दिखाना होगा। राहुल गांधी संवाद करेंगे, नेता भाषण देंगे, पार्टियां दावे करेंगी, लेकिन आखिरी फैसला वही युवा करेगा, जिसके हाथ में रोजगार का सवाल और सामने भविष्य की चिंता होगी।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए एनसीसी कैडेट्स को किया जागरूक

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। फोनिक्स विश्वविद्यालय, इमलीखेड़ा में 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वावधान में चल रहे प्री थल सेना शिविर में साइबर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक देहात, हरिद्वार शेखर सुयाल ने एनसीसी कैडेट्स को साइबर अपराधों से बचाव, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग तथा सोशल मीडिया पर बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इस अवसर पर एसपी देहात शेखर सुयाल ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में तकनीक के साथ-साथ साइबर अपराधों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। विशेष रूप से छात्र-छात्राओं को इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कैडेट्स को अनजान लिंक पर क्लिक न करने, संदिग्ध संदेशों का जवाब न देने तथा किसी भी व्यक्ति के साथ अपनी निजी जानकारी, पासवर्ड, ओटीपी अथवा बैंक संबंधी विवरण साझा न करने की सलाह

दी। उन्होंने विशेष रूप से महिला कैडेट्स को साइबर सुरक्षा के प्रति अधिक सजग रहने की सलाह देते हुए कहा कि मोबाइल में किसी भी प्रकार का एप्लीकेशन केवल विश्वसनीय स्रोत से ही डाउनलोड एवं इंस्टॉल करें तथा किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई ऐप इंस्टॉल न करें। उन्होंने कैडेट्स से अपील की कि वे इंटरनेट का उपयोग आवश्यकता और ज्ञानवर्धन के लिए करें, लेकिन साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए सीमित और सावधानीपूर्वक उपयोग करें।

इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल जगदीश अलमिया ने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य केवल सैन्य प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि कैडेट्स को एक जिम्मेदार, अनुशासित और जागरूक नागरिक बनाना भी है। डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारी से उपयोग समय की आवश्यकता है। उन्होंने कैडेट्स से साइबर अपराधों के प्रति स्वयं जागरूक रहने तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कैंप एडजुटेंट कैप्टन सुशील कुमार आर्य, कैप्टन आलोक कंडवाल, फर्स्ट ऑफिसर संजीव कुमार, सेकंड ऑफिसर सुशील कुमार, सेकंड ऑफिसर रेणु देवी, ऑनरेरी लेफ्टिनेंट अमर सिंह, सूबेदार सुभाष चंद्रा, बीएचएम केशवानंद, हवलदार पूर्ण सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

सांस लेने का तरीका प्रभावित कर सकती है दिनभर की ऊर्जा, जानिए कैसे

सांस लेना एक स्वाभाविक क्रिया है, जो हमारे जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। सही ढंग से सांस लेना न केवल हमारे शरीर के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी बनाए रखता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे हमारी सांस लेने की आदतें हमारी दिनभर की ऊर्जा और मूड को प्रभावित कर सकती हैं और हम इसे किस तरह से सुधार सकते हैं।

गहरी सांस लेने के लाभ : गहरी सांस लेना हमारे शरीर को अधिक ऑक्सीजन देता है, जिससे ऊर्जा स्तर बढ़ता है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारा दिमाग भी अधिक तरोताजा महसूस करता है और तनाव कम होता है। यह तरीका न केवल शरीर की ऊर्जा बढ़ाता है, बल्कि दिमाग को साफ करता है। गहरी सांस लेने से हमारा मूड बेहतर होता है और हम दिनभर अधिक सक्रिय और उत्साहित महसूस कर पाते हैं।

धीमी सांस लेने का महत्व : धीरे-धीरे सांस लेना हमारे शरीर को आराम देता है और तनाव को कम करता है। जब हम धीरे-धीरे सांस लेते हैं तो हमारा दिल भी धीमा चलता है, जिससे खून का बहाव बेहतर होता है। यह तरीका हमें शांति और संतुलन महसूस कराता है, जिससे हम दिनभर सकारात्मक ऊर्जा महसूस करते हैं। धीरे सांस लेने से हमारा मूड स्थिर रहता है और हम अधिक संतुलित और खुश महसूस करते हैं।

नाक से सांस लेने के फायदे : नाक से सांस लेना हमारे शरीर के लिए सबसे प्राकृतिक तरीका है। यह हमारे फेफड़ों को अधिकतम उपयोग करने में मदद करता है और शरीर की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है।नाक से सांस लेने पर नाक के अंदर मौजूद छोटे बाल और म्यूकस बैक्टीरिया को रोकते हैं, जिससे हमारी सेहत बेहतर रहती है। इसके अलावा नाक से सांस लेने पर हमारा मूड स्थिर रहता है और हम अधिक संतुलित और खुश महसूस करते हैं।

पेट से सांस लेने का तरीका : पेट से सांस लेना हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह तरीके पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और खाने को पचाने की प्रक्रिया को बेहतर करता है। पेट से सांस लेने पर हमारा शरीर अधिक आराम महसूस करता है और हम दिनभर ऊर्जावान महसूस करते हैं। इसके अलावा पेट से सांस लेने से हमारा मूड स्थिर रहता है और हम अधिक संतुलित और खुश महसूस करते हैं।

बार-बार फोन चेक करने की आदत है? जानिए इसके कारण

कई लोग बार-बार अपने फोन को देखते रहते हैं। यह आदत न केवल समय की बर्बादी कर सकती है, बल्कि मानसिक सेहत पर भी बुरा असर डाल सकती है। इस लेख में हम इस आदत के पीछे की मानसिक वजहों का पता लगाएंगे और जानेंगे कि क्यों लोग बार-बार अपने फोन को देखते हैं और इससे कैसे निपटा जा सकता है। इसके अलावा इस आदत से जुड़े कुछ रोचक तथ्य भी जानेंगे।

जानकारी का बोझ : आजकल हमारे पास हर तरह की जानकारी एक क्लिक की दूरी पर मौजूद रहती है। सोशल मीडिया, समाचार ऐप और अन्य माध्यमों के जरिए हम हर पल नई जानकारियों से जुड़े रहते हैं। यह जानकारी इतनी अधिक होती है कि उसे बार-बार देखने की जरूरत महसूस होती है। इससे हमें लगता है कि हम कुछ जरूरी नहीं छोड़ रहे हैं, लेकिन वास्तव में यह हमारी मानसिक शांति को प्रभावित करता है।

सामाजिक जुड़ाव की चाह : सोशल मीडिया, जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहना हमारे लिए एक तरह का सामाजिक जुड़ाव बनाता है।

हम चाहते हैं कि हमारे पोस्ट्स पर लाइक्स आएं, टिप्पणियां मिलें और लोग हमारे साथ बातचीत करें। इस चाहत के कारण हम बार-बार अपने फोन को देखते रहते हैं, ताकि कहीं कोई टिप्पणी या संदेश न छूट जाए। यह हमारे लिए मानसिक संतुलन बनाए रखने का एक तरीका जैसा बन जाता है।

खोने का डर : खोने का डर एक ऐसी भावना है, जो हमें हमेशा अपडेट रहने पर मजबूर करती है। हम चाहते हैं कि हम हर जरूरी खबर, घटना या चलन से वाकिफ रहें, ताकि हमें ऐसा न लगे कि हम कुछ अहम छोड़ रहे हैं। इस डर के कारण हम बार-बार अपने फोन को देखते रहते हैं, जिससे हमारी यह आदत बन जाती है। इससे हमें लगता है कि हम किसी भी जरूरी जानकारी से वंचित नहीं रहेंगे।

काम का दबाव : आजकल काम का दबाव इतना बढ़ गया है कि लोग अपने ऑफिस ईमेल्स और संदेश पर लगातार नजर रखते हैं। अगर कोई जरूरी मेल आया हो या कोई जरूरी संदेश आया हो तो उसे तुरंत देखना जरूरी हो जाता है। इस वजह से लोग अपने फोन को बार-बार देखते रहते हैं, ताकि कोई जरूरी जानकारी छूट न जाए। इससे उनकी यह आदत बन जाती है और वे हमेशा काम के तनाव में रहते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कोल्ड ड्रिंक पीने की है लत तो हो जाएं अलर्ट!

कहीं आप रोजाना कोल्ड ड्रिंक तो नही पी रहे हैं? अगर हां तो यह खबर सुनकर आप सोच में जरूर पड़ जाएंगे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर रोजाना कोल्ड ड्रिंक पीने की है लत तो इसकी वजह से आपको गंभीर बीमारी हो सकती है। जिनके बारे में शायद ही आप सोच सकते हैं। ज्यादा कोल्ड ड्रिंक पीने के कारण काफी ज्यादा वजन बढ़ सकता है।

कोल्ड ड्रिंक में हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप और दूसरे तरह की शुगर होती है। इसमें पोषण नहीं बल्कि कैलोरी की मात्रा होती है। ज्यादा कैलोरी के कारण मोटापा का खतरा अधिक बढ़ जाता है। कोल्ड ड्रिंक में काफी ज्यादा हाई लेवल का शुगर होता है। जिसके कारण टाइप-2 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं। इसमें इतना ज्यादा शुगर होता है कि इंसुलिन पर भी असर पड़ता है। जिसमें ब्लड में शुगर का लेवल बढ़ता है।

कोल्ड ड्रिंक में एसिड और चीनी काफी मात्रा में होता है सोडा में एसिड और चीनी काफी ज्यादा मात्रा में होता है जिसके कारण दांत पर खतरनाक असर पड़ सकता है। एसिड के कारण दांत का इनेमल भी खराब हो सकता है। साथ ही साथ दांत डैमेज और कैविटी से भरपूर हो सकता है। सोडा के कारण मुंह में बैक्टीरिया का खतरा बढ़ सकता है। जिससे मसूड़े में सूजन हो सकती है। सोडा में फॉस्फोरिक एसिड काफी ज्यादा होता है। जिसके कारण शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है। अगर आप इसे ज्यादा पिएंगे तो हड्डियां कमजोर हो जाती है।

जिसकी वजह से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है। कोल्ड ड्रिंक में चीनी की मात्रा काफी ज्यादा अधिक होती है। इससे हाई बीपी, हार्ट की बीमारी, मोटापा का खतरा बढ़ता है। कोल्ड ड्रिंक पीने के कारण लिवर और पाचन संबंधी बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। कोल्ड ड्रिंक में पाई जाने वाली चीनी खाने के कारण फैटी लिवर का खतरा बढ़ जाता है। जिसके कारण का खतरा बढ़ जाता है।

थोड़ी सी लापरवाही दातों पर पड़ सकती है भारी

सफेद मोतियों जैसे दांत इंसान के व्यक्तिव का पता बताते हैं। हर किसी की चाहत होती है कि दांत बदबूदार रहित हो। उसमें सड़ान और सूराख पैदा न होने पाए। विशेषज्ञों का मानना है कि करीब आधी बीमारियां खराब दांतों की वजह से होती हैं। इसलिए दांत इंसानी शरीर का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। जीवित रहने के लिए इंसान खाने-पीने पर निर्भर होता है और खाने के लिए स्वस्थ दांत जरूरी हैं क्योंकि पेट तक पहुंचनेवाली खुराक दातों के माध्यम से जाती है। मसूढ़ों के अंदर पीप आहार के साथ पेट में दाखिल होते हैं। जिसकी वजह से लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी दांत इतने खराब हो जाते हैं कि आहार लेना मुश्किल हो जाता है। सिर्फ मुलायम खाने पर ही गुजारा करना पड़ता है। इसलिए दांतों की सफाई अगर बचपन से ही शुरू की जाए तो बरसों तक उसके खराब होने की आशंका नहीं रहती है। जब भी दांतों में कोई बीमारी लगती है तो इसके पीछे हमारी लापरवाही मुख्य वजह होती है।

दांतों को बदबूदार रहित, चमकीला और स्वस्थ बनाए रखने के लिए खाने के बाद अच्छी तरह साफ करना जरूरी होता है वरना खुराक दातों में फंस जाते हैं और कुछ समय बाद उसमें सड़ान की प्रक्रिया शुरू जाती है। दातों के लिए इस्तेमाल किए जानेवाले ब्रश ज्यादा नरम और ज्यादा कड़े नहीं होने चाहिए। दांतों की सुरक्षा के लिए जरूरी है दांतों की अच्छे तरीके से सफाई। विशेषज्ञों के मुताबिक एक ही ब्रश कई महीनों तक इस्तेमाल नहीं किए जाने चाहिए। उनकी सलाह है कि तीन महीने बाद ब्रश जरूर बदल लें। दांतों में फंसी हुई खुराक निकालने के बाद ही ब्रश शुरू करना चाहिए। दांत साफ करते वक्त ब्रश को कलम लिखने की स्टाइल में पकड़ना चाहिए। स्टैंडर्ड टूथ ब्रश और पेस्ट से दांतों और मसूढ़ों को स्वस्थ रखा जा सकता है। दातों में सूराख का हो जाना उसे कमजोर करता है साथ ही मसूढ़ों को भी प्रभावित करने का कारण बनता है। इसलिए फ्लोराइड वाले टूथ पेस्ट इस्तेमाल किए जाने चाहिए। फ्लोराइड सूराख के खिलाफ दांतों में प्रतिरोधक पैदा करता है।

शब्द सामर्थ्य -049

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

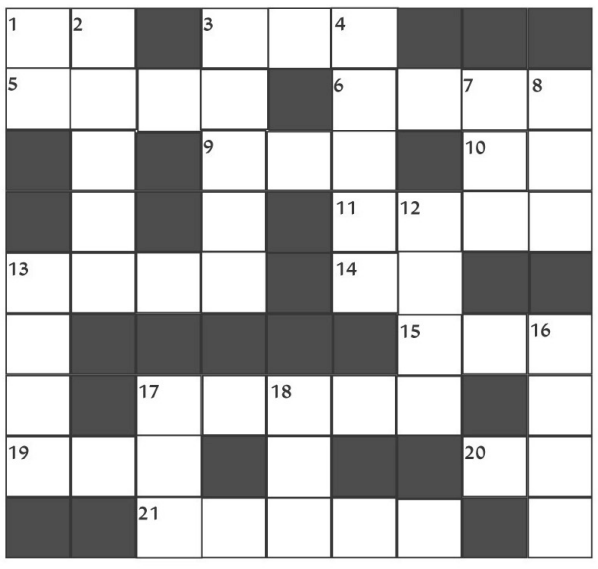

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 48 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

अजय देवगन ने दृश्यम 3 के ऑफिशियल टाइटल का किया एलान!

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अब अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं. सिंघम एक्टर हिंदी दृश्यम फ्रैंचाइज़ी के तीसरे पार्ट के साथ बड़े पर्दे पर आ रहे हैं. अब तक इस फिल्म को दृश्यम 3 के नाम से जाना जा रहा था. लेकिन अब इसे एक टाइटल से जाना जाएगा. अजय ने दृश्यम 3 के ऑफिशियल टाइटल का एलान किया है. साथ ही फिल्म के किरदार के चेहरे से पर्दा भी हटाया गया है.

अजय देवगन ने दृश्यम 3 के कई सारे पोस्टर शेयर किए और दृश्यम फ्रैंचाइजी के आखिरी चैप्टर का एलान किया. पोस्टर के ऊपर अजय देवगन के नाम के साथ लिखा है, मेरा सच, मेरा सही, सिर्फ मेरी फैमिली है. इसी के साथ पोस्टर पर फिल्म का ऑफिशियल टाइटल दृश्यम- द कन्क्लूजन लिखा है. इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हर इंसान का नजरिया अलग होता है, मेरे लिए मेरी फैमिली ही सब कुछ है.

ऐसे ही मेकर्स ने फिल्म के अन्य किरदारों के नाम के साथ पोस्ट जारी किया है. अजय के बाद तब्बू का पोस्टर रिलीज किया गया, जिससे यह साफ हुआ कि दृश्यम- द कन्क्लूजन में तब्बू का किरदार इंसाफ के लिए अपने बेटे की मौत का बदला लेने वापस आएगी.

पोस्टर पर लिखा है, इस बार मुझे जस्टिक नहीं, बदला चाहिए. पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, मैंने अपना बेटा खोया है, अब हिसाब सिर्फ बदले से होगा. इसी तरह मेकर्स ने श्रिया सरन, रजत कपूर, जयदीप अहलावत, प्रकाश राज जैसे किरदारों का भी पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें उनके लक्ष्य की बात बताई गई है.

दृश्यम- द कन्क्लूजन को स्टार स्टूडियो 18 और पैनोरमा स्टूडियोज ने सपोर्ट किया है. इसे अभिषेक पाठक ने डायरेक्ट किया है. उन्होंने आमिल कियान खान और परवीज शेख के साथ मिलकर फिल्म भी लिखी है. आलोक जैन, अजीत अंधारे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं.

यह फ्रैंचाइजी गोवा के एक शांत स्वभाव वाले फैमिली मैन विजय सलगांवकर पर आधारित है, जो अपने परिवार को बचाने के लिए अपनी समझदारी और जुगाड़ का इस्तेमाल करता है और उनके घर में एक मर्डर होने के बाद उन्हें कानून से बचने में मदद करता है.

तीसरे पार्ट में अजय देवगन विजय सलगांवकर का अपना रोल फिर से करेंगे, जबकि तब्बू आईजी मीरा देशमुख और श्रिया सरन नंदिनी के रोल में लौटेंगी. रजत कपूर भी अपना रोल फिर से करेंगे, जबकि प्रकाश राज और जयदीप अहलावत नए रोल में कास्ट में शामिल हुए हैं. शूटिंग पूरी हो चुकी है, और फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन में है. यह फिल्म गांधी जयंती के मौके पर 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन की बदली रिलीज तारीख, अब 25 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी

सिद्धार्थ मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट अब 28 अगस्त को नहीं आएगी। निर्माता बालाजी मोशन पिक्चर्स ने एक मोशन पोस्टर जारी करते हुए इसकी नई रिलीज तारीख का ऐलान किया है। दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले रक्षाबंधन के अवसर पर सिनेमाघरों में आनी थी। चूकि उसी हफ्ते में श्रद्धा कपूर की ईथा और यश की टॉक्सिक रिलीज हो रही हैं। इस टकराव से बचने के लिए ये फैसला लिया गया है।

निर्माता एकता कपूर ने वन का एनिमेटेड मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसमें त्रिशूल लिए एक व्यक्ति खूंखार बाघ और नंदी से घिरा हुआ है। उसके चारो ओर बिजली की कड़क दिखाई गई है। पोस्ट के साथ कैप्शन दिया गया, बाघ की दहाड़ है... नंदी उसकी शक्ति है। और वन... उसकी कहानी। फिल्म में सिद्धार्थ के साथ तमन्ना भाटिया मुख्य किरदार में हैं। यह अब 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इसके बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

मध्य भारत के घने जंगलों में फिल्माई गई फिल्म वन को रोमांच, गुप्त मंदिरों और पुरानी कहानियों का मिश्रण बताया गया है। इसकी शूटिंग वास्तविक वन क्षेत्रों में की गई है। एकता कपूर इसकी प्रोड्सर हैं और फिल्म की निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर के सहयोग से हुआ है। दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार इसके डायरेक्टर हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा को आखिरी बार फिल्म परम सुंदरी में देखा गया था। इस मूवी में उनके अपोजिट जाह्नवी कपूर नजर आई थीं। दिनेश विजन के मैडॉक बैनर तले इसका निर्माण हुआ था और तुषार जलोटा इसके डायरेक्टर हैं।

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की।

अकांक्षा ने कहा, मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए। अभिनेत्री ने कहा, मैंने भूमिका की तैयारी के दौरान गुजराती भाषा के उच्चारण और बोलने के अंदाज पर खास ध्यान दिया। मैंने शब्दों को सही तरीके से बोलने के साथ-साथ चेहरे के एक्सप्रेशन और बोलने के तरीके को भी समझने की कोशिश की। सच कहूं तो यह पूरा अनुभव काफी मजेदार रहा। मैं चाहती थी कि पर्दे पर मेरा रूप और मेरा किरदार वहां के माहौल का स्वाभाविक हिस्सा लगे।

आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है।

हाल ही में अकांक्षा पुरी अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म इंस्पेक्टर अविनाश 2 में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने पंजाबी लड़की का किरदार निभाया था, जो एक डांसर से मुखबिर बन जाती है। यह भूमिका भी उनके लिए काफी अलग थी।

अकांक्षा ने इस किरदार को कुछ नया करने का मौका बताया था।

प्यार के एक नजरिए को दिखाता है रात कालिया सॉन्ग : शहजान पद्मसी

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना रात कालिया से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया। अभिनेत्री ने बताया, एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं। शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 2 में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थी। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे।

अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा लगा। क्योंकि बेशक हम सब दिल से ही काम करते हैं, लेकिन मैंने सच में समय लिया और खुद से कहा कि अगर मुझे इस प्रोफेशन को सीरियसली लेना है, तो अपने हुनर पर काम करना होगा। पहले अपना हुनर पक्का करना होगा। प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, और मुझे प्रैक्टिस की इस पूरी प्रोसेस से प्यार हो गया।

अभिनेत्री ने आगे गाना रात कालिया के बार में भी बताया। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह एक लव सॉन्ग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है। जैसे किसी भी रिश्ते के शुरुआत में इंसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही। इसमें मेरे बहुत सारे ख्याल हैं, जिसमें मैं घंटों बात कर सकती हूं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। जब भी मैं अपने दोस्तों से इस बारे में बात करती हूं, तो वो भी कहते हैं कि उन्होंने भी ऐसा ही महसूस किया है। वो कहते हैं, हां, मेरे साथ भी ऐसा हुआ है, मैं पहले बहुत डिपेंडेंट थी। मैं एक इंसान पर झुक जाती थी और अब मैं बहुत बदल गई हूं, तो ये प्यार का एक बदला हुआ, परिपक्व सफर है।

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

हरिद्वार(आरएनएस)। राज्य में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। मरीजों के उपचार की तैयारियों के तहत हरिद्वार के मेला अस्पताल परिसर में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट का तकनीकी परीक्षण किया गया। जांच में दोनों प्लांट पूरी तरह संचालित और आपात स्थिति के लिए तैयार पाए गए। मेला अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात डॉ. अनमोल ने बताया कि अस्पताल में दो ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हैं, जिनकी कुल क्षमता 1133 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) है। दोनों प्लांट की कार्यक्षमता की जांच की गई और वे सुचारु रूप से चालू मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में अस्पताल पर्याप्त ऑक्सीजन आपूर्ति करने में सक्षम है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिंह ने बताया कि स्वाइन फ्लू के संभावित मरीजों के लिए अलग आइसोलेशन वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। एक वार्ड हरिद्वार के मेला अस्पताल में तथा दूसरा रुड़की स्थित सिविल अस्पताल में बनाया जाएगा, ताकि संक्रमित मरीजों का पृथक उपचार किया जा सके और संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। सीएमओ ने लोगों से अपील की कि बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराएं।

अराजक तत्वों ने उखाड़कर फेंकी राहगीरों के बैठने की बेंचें

रुद्रपुर(आरएनएस)। चारूबेटा क्षेत्र में सड़क किनारे राहगीरों के बैठने के लिए स्थापित की गईं सीमेंट की छह बेंचों को अराजक तत्वों ने उखाड़कर फेंक दिया। इसके अलावा एक सार्वजनिक शौचालय के खंभे को भी क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया गया। घटना से क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है। उन्होंने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में राष्ट्रीय योगी सेना के पदाधिकारी ने पुलिस को तहरीर देकर दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। राष्ट्रीय योगी सेना के राष्ट्रीय महामंत्री हयात सिंह बिष्ट ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार-पांच दिन पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य की ओर से चारूबेटा क्षेत्र में राहगीरों के बैठने के लिए सड़क किनारे सीमेंट की बेंचें स्थापित कराई गई थीं। क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर छह से अधिक बेंचों का निर्माण कराया गया था। आरोप है कि बेंचों के निर्माण के 24 घंटे के भीतर ही अराजक तत्वों ने उनमें तोड़फोड़ कर दी और बाद में उन्हें उखाड़कर फेंक दिया। बिष्ट ने बताया कि इसी दौरान एक सार्वजनिक शौचालय के खंभे को भी क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना गंभीर मामला है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से घटना का संज्ञान लेकर जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सू- दोकू क्र.049

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 48 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

7 अक्तूबर से शुरू होगी जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा, माया देवी मंदिर से होगा शुभारंभ

हरिद्वार(आरएनएस)। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा इस वर्ष सात अक्तूबर से शुरू होगी। हरिद्वार स्थित अधिष्ठात्री देवी माया देवी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का शुभारंभ होगा। ३० अक्तूबर तक चलने वाली यात्रा उत्तराखंड के चारधाम समेत केदारखंड और मानसखंड के पौराणिक व उपेक्षित तीर्थस्थलों तक पहुंचेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संतों के प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध पर निर्धारित मुहूर्त में यात्रा शुरू करने के लिए सहमति प्रदान की है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के नेतृत्व में संतों के प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून स्थित मुख्यमंत्री के आवासीय कार्यालय में उनसे मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी महाराज, हिमालय पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर वीरेंद्रानंद गिरि महाराज, जूना अखाड़े के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमहंत महेश पुरी महाराज, श्रीमहंत नीलकंठ गिरि महाराज और अखाड़े के मीडिया प्रभारी गोपाल सिंह रावत शामिल रहे। संतों ने मुख्यमंत्री से सात अक्तूबर को माया देवी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का शुभारंभ कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने सहमति देते हुए यात्रा की सफलता के लिए संतों को शुभकामनाएं दीं।

श्रीमहंत हरि गिरि ने कहा कि पवित्र छड़ी यात्रा का उद्देश्य केवल प्रसिद्ध चारधामों तक सीमित रहना नहीं है। यात्रा के दौरान उत्तराखंड के उन सैकड़ों पौराणिक और उपेक्षित तीर्थस्थलों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा, जिनके बारे में देश-दुनिया के श्रद्धालुओं को कम जानकारी है। इन तीर्थों के धार्मिक, आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व को यात्रा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि तीर्थस्थलों के विकास से तीर्थाटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा को दो खंडों में विभाजित किया गया है। इसके तहत केदारखंड यानी गढ़वाल और मानसखंड यानी कुमाऊं के प्रमुख तीर्थस्थलों का भ्रमण किया जाएगा। यात्रा के दौरान पवित्र ओम पर्वत और आदि कैलाश के दर्शन भी किए जाएंगे। संत प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर टनकपुर से बागेश्वर होते हुए कर्णप्रयाग तक जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का नाम मां नंदा देवी राजमार्ग करने की मांग की। श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध मां नंदा देवी राजजात यात्रा का प्रमुख मार्ग और पड़ाव इसी क्षेत्र में आता है।

मां नंदा देवी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। उनके नाम पर राजमार्ग का नामकरण सनातन परंपरा और धार्मिक आस्था के सम्मान का प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

महिलाओं के लिए सरकार का काम सराहनीय : ऋतु खंडूड़ी

कोटद्वार(आरएनएस)। भाजपा महिला मोर्चा की ओर से पैठाणी व थलीसैंण में रक्षाबंधन समारोह कार्यक्रम आयोजित हुए। पैठाणी में हुए समारोह में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभाग कर सरकार की योजनाओं की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने मंत्री डॉ. रावत को राखी बांधी। कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस मौके पर राज्य मंत्री अनुराधा वालिया, डॉ. दीपा रावत, ब्लॉक प्रमुख थलीसैंण सुनीता रावत, ब्लॉक प्रमुख पाबौ लता देवी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमिला भंडारी, प्रियंका रावत, रजनी देवी, शर्मिला भट्ट, मोनिका देवी, सुलोचना देवी आदि मौजूद रहे। वही कोटद्वार में विधानसभा अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक ऋतु खंडूड़ी ने मालिनी गौरव सेनानी एवं पूर्व अर्धसैनिक बल संगठन की ओर से आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में संगठन अध्यक्ष कुबेर जलाल, श्रीधर प्रसाद केष्टवाल, दौलत सिंह रावत, पार्षद राजेंद्र बिष्ट, प्रमोद केष्टवाल मौजूद रहे।

चेकडैम निर्माण होने के बाद भी मजूदरों को नहीं हुआ भुगतान

पौड़ी(आरएनएस)। विकासखंड कोट की ग्राम पंचायत कोट में सारा (स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी) के तहत कराए गए जल संवर्धन कार्यों में मजदूरी भुगतान को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया है कि कार्यों में मजदूरों से काम कराने के बावजूद उन्हें लंबे समय से मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया। वहीं, विभागीय रिकॉर्ड में कार्य के लिए लाखों रुपये का भुगतान किए जाने की बात सामने आ रही है। प्रधान की शिकायत पर डीएम ने जांच के निर्देश दिए हैं।

ग्राम प्रधान प्रियंका कुमारी के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत कोट में सारा के तहत 5० चेकडैम बनाए जाने थे जिनमें से 43 का निर्माण पूरा हो चुका है। प्रधान का आरोप है कि काम पूरा होने के बावजूद मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिली। प्रधान का कहना है कि ब्लॉक कार्यालय से मिली जानकारी में ठेकेदार को करीब 1० लाख रुपये का भुगतान किए जाने की बात बताई गई।

बीडीओ कोट अमित बिजल्वाण के अनुसार कोट में 13 लाख रुपये की लागत से जल संवर्धन कार्य किए जाने थे। एमबी के अनुसार ठेकेदार को प्रथम किस्त के रूप में आठ लाख का भुगतान किया जा चुका है जबकि पांच लाख का भुगतान अभी लंबित है। वहीं, ठेकेदार अनिल गुसाईं का कहना है कि गांव में करीब 25 से 3० चेकडैम और 2० से 25 मीटर दीवार का निर्माण किया गया था। डीएम स्वाति एस भदौरिया ने कहा कि ग्राम प्रधान की शिकायत पर जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं।

नेत्रदान के प्रति किया जागरूक

ऋषिकेश(आरएनएस)। नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 41वां नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

पखवाड़े के अंतर्गत अस्पताल की ओपीडी में आने वाले मरीजों और तीमारदारों के साथ-साथ स्टाफ कर्मियों को भी नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

65 करोड़ की लागत से चमकेगी भरदार क्षेत्र की सड़कें, बिछेगा सड़कों का जाल, बेहतर होगी कनेक्टीवीटी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। सौराखाल भरदार में कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने भरदार क्षेत्र की चार महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

इन परियोजनाओं की लागत करीब 65 करोड़ से अधिक है। सड़क परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और दर्जनों गांवों को सड़क संपर्क का लाभ मिलेगा। उन्होंने ब्लॉक जखोली में पीएमजीएसवाई के तहत जवाड़ी बाईपास से मल्यासु-कोटली-बांसी मोटर मार्ग का शिलान्यास किया। इसकी लंबाई 14.925 किलोमीटर तथा लागत जो 24.95 करोड़ से बनेगी। इसी तरह वीराणगांव-जाखाल मोटर मार्ग का भी शिलान्यास हुआ लंबाई 8.०25 किलोमीटर और लागत 12.63 करोड़ है। वहीं तिलवाड़ा-सौराखाल मोटर मार्ग के किमी आठ से अन्द्रीया डांग घेंघड़ मोटर मार्ग का भी शिलान्यास किया गया। इस सड़क की लंबाई 4.85 किलोमीटर तथा लागत 7.77 करोड़ है। इस अवसर पर बड़ियारगढ़-धौढंगी से सौराखाल तक मोटर मार्ग के अपग्रेडेशन एवं डामरीकरण कार्य का लोकार्पण भी किया गया। इस सड़क की लंबाई 13.52 किलोमीटर जो 12.21 करोड़ की लागत से बनी है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भरदार क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए सड़क, पेयजल, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में भरदार क्षेत्र के विकास के लिए 232 करोड़ से अधिक की योजनाएं स्वीकृत एवं संचालित की गई हैं, जिनमें अधिकांश योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा शेष पर कार्य गतिमान है। उन्होंने कहा सेमलता-डूंगरा-कफना मोटर पुल के निर्माण के लिए 6.32 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। शीघ्र ही पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

नेपाल ने विदेशी रेस्क्यू टीमों की पेशकश को ठुकराया !

संवाददाता

काठमांडू। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में 400 से अधिक लोगों की जान गई है। इस त्रासदी में 1000 से अधिक लोग अभी भी लापता है, जिनकी तलाश की जा रही है। आपदाग्रस्त नेपाल की मदद के लिए दुनिया के कई देशों ने मदद के लिए अपनी रेस्क्यू टीमें भेजने की पेशकश की, लेकिन नेपाल सरकार ने सख्ती के साथ कहा किसी की जरूरत नहीं है। नेपाल की ओर से कहा गया कि नेपाली सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अपने स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चलाने में सक्षम हैं। काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन, भारत, अमेरिका, जापान, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने नेपाल को अपनी रेस्क्यू टीम देने की मदद की। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि फिलहाल उसको विदेशी बचाव दल की जरूरत नहीं है। अगर भविष्य में ऐसी कोई भी जरूरत पड़ती है, तो वह जरूर बताएगा।

समाचार एजेंसी के अनुसार, नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बताया कि मदद की पेशकश स्वाभाविक है। हमारी सुरक्षा एजेंसियां खोज और बचाव अभियान चला रही हैं। फिलहाल हमें ऐसी मदद की जरूरत नहीं है। बता दें कि नेपाल में गत 26 अगस्त को रासुवा नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे भारी तबाही मची। इसके दो दिन बाद फिर दावा किया जा रहा है कि नवनिर्मित बैरियर झीलों से एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

नेपाल में आई आपदा के कुछ समय बाद भी भारत की ओर त्वरित एक्शन लेते हुए काठमांडू को 47.5 टन आपातकालीन सामग्री भेजी गई। ये मदद कुल दो खेपो में भेजी गई, जिसमें पहली खेप 26 अगस्त को रवाना हुई और दूसरी मदद की खेप गुरुवार को रवाना हुई, जिसमें 37 टन राहत सामग्री थी। इस सहायता में कंबल, दवाइयां, भोजन, जनरेटर और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल रहीं।

नेपाल की ओर से दुनिया अलग-अलग देशों की ओर से की गई मदद की पेशकश को नेपाल ने यूं ही नहीं ठुकराया है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि नेपाल सरकार ने ये फैसला नेपाली सेना और पुलिस की सिफारिश पर लिया।

देवीधुरा में फलों-फूलों से बरसी..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

जोशी,भाजपा जिला अध्यक्ष गोविन्द सामन्त, मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, परियोजना निदेशक अजय सिंह, सीएमओ देवेश चौहान, महेन्द्र पाल, दर्जा राज्य मंत्री मुकेश महराना, दर्जा राज्य मंत्री हुकुम सिंह कुँवर, दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पाण्डेय, दर्जा राज्य मंत्री सुभाष बगौली, लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता सतीश पांडे, पूर्व विधायक लोहाघाट पूरन सिंह फर्त्याल, रवि नेगी, पूर्व अध्यक्ष मंदिर समिति मोहन सिंह बिष्ट, खीम सिंह लमगड़िया, राजशेखर जोशी, नरेन्द्र लडवाल, खीमानन्द सनवाल, देवेन्द्र पन्त, त्रिलोक सिंह बिष्ट, बिरेन्द्र सिंह लमगड़िया, गंगा सिंह चम्याल, बद्री सिंह बिष्ट, चेतन, राजेश बिष्ट, जगदीश सिंह सिनग्वाल, मंच संचालक कीर्तिबल्लभ जोशी, हयात सिंह बिष्ट, बिशन सिंह चम्याल, राजेन्द्र बिष्ट, लक्ष्मी दत्त जोशी, दीवान सिंह बिष्ट, मदन सिंह बोरा, बहादुर सिंह नदगली, ईश्वर सिंह बिष्ट, विनोद चम्याल, रमेश राना, विनोद प्रकाश गड़कोटी, गौरव सिनग्वाल, श्रीमती रश्मि लमगड़िया, दीपक सिनग्वाल, पवन लमगड़िया, चन्दन बिष्ट, दीपक चम्याल, जितेन्द्र पाण्डेय, दिनेश चम्याल, विनोद जोशी एवं सुदीप चम्याल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उत्तराखंड के सियासी मैदान में ..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सामने सवाल काम का ही आता है। उत्तराखंड का मतदाता रोजगार, पलायन, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, महंगाई, आपदा और स्थानीय विकास जैसे मुद्दों पर जवाब चाहता है। ऐसे में बयानवीरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी बयानबाजी को जनसरोकार से कितना जोड़ पाते हैं। सिर्फ यह बताना आसान है कि विपक्ष गलत है। यह बताना भी आसान है कि अपनी पार्टी में सब ठीक नहीं है। मुश्किल यह बताना है कि अगर जनता ने मौका दिया तो समाधान क्या होगा।

उत्तराखंड में 2027 की चुनावी पिच तैयार होने लगी है। राजनीतिक दल संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं, संभावित प्रत्याशी अपनी जमीन नाप रहे हैं और नेता अपनी राजनीतिक हैसियत का आकलन कर रहे हैं। इसी बीच बयानवीरों की बढ़ती सक्रियता यह संकेत दे रही है कि आने वाले महीनों में सियासी शोर और बढ़ने वाला है। अब देखना यह होगा कि इन बयानों में कितने वास्तव में जनता के मुद्दे उठाते हैं और कितने टिकट की कतार में अपनी जगह बनाने की कवायद साबित होते हैं। क्योंकि चुनाव में बयान सुर्खियां तो बना सकते हैं, लेकिन वोटर के मन में जगह बनाने के लिए सिर्फ बयान काफी नहीं होते। आखिरकार माइक नेता के हाथ में होता है, लेकिन फैसला जनता के हाथ में।

कुनबा बढ़ाने की 'होड़' में वोट बैंक...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

में एक और सकारात्मक संकेत के तौर पर देख रही है। मगर विपक्ष के लिए भी यह चेतावनी है कि चुनाव अभी दूर जरूर है, लेकिन भाजपा ने अपनी चुनावी तैयारी को पहले ही गति दे दी है। अब सवाल यह नहीं कि भाजपा 2027 में हैट्रिक का सपना देख रही है या नहीं। सवाल यह है कि क्या विपक्ष उस सपने को चुनौती देने के लिए समय रहते अपना सामाजिक और राजनीतिक समीकरण तैयार कर पाएगा? गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट का भाजपा में विलय इसी बड़े चुनावी मुकाबले की एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

दो नशा तस्कर गिरफ्तार, 409 ग्राम चरस बरामद

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 409 ग्राम चरस बरामद की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां उत्तराखण्ड राज्य को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे "ड्रग्स-फ्री देवभूमि अभियान" के तहत टिहरी पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में थाना मुनि की रेती पुलिस एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने नशा तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए दो को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई करने हेतु सभी थाना प्रभारियों एवं संबंधित टीमों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल एवं क्षेत्राधिकारी नरेन्द्रनगर के निर्देशन में थाना मुनि की रेती पुलिस एवं एएनटीएफ की संयुक्त टीम द्वारा सायंकाल थाना मुनि की रेती क्षेत्रांतर्गत ढालवाला के पास चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने स्कूटी पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 409 ग्राम अवैध चरस, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सागर पुत्र गोपाल निवासी किराएदार राजू होटल, तपोवन, थाना मुनि की रेती, धर्म सिंह राणा पुत्र स्व0 अव्वल सिंह निवासी गंगी, पोस्ट घुत्तू, थाना घनसाली बताया। पूछताछ में उनकें द्वारा बताया गया कि उक्त चरस को वे घनसाली क्षेत्र से लेकर आए थे तथा इसकी तस्करी कर रहे थे। बरामद मादक पदार्थ एवं अन्य सामग्री को पुलिस टीम द्वारा कब्जे में लेकर दोनों को मौके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में यह भी प्रकाश में आया कि गिरफ्तार सागर पूर्व में भी नशा तस्करी के मामले में जेल जा चुका है, जिसके संबंध में थाना ऋषिकेश में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

थापर बने उत्तराखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया विभाग में अभिनव थापर के नेतृत्व में नवनियुक्त पदाधिकारियों की नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से स्वीकृति प्रदान की है।

उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता व अधिवक्ता अभिनव थापर के विगत 20 वर्षों से अधिक के संगठनात्मक अनुभव तथा एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव, सक्रियता एवं समर्पण को देखते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल, उत्तराखंड कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा एवं कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से अभिनव थापर को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया विभाग की कमान दी गई है। वहीं उपाध्यक्ष के रूप में भारत शर्मा एवं हर्षित सिंह बिष्ट तथा समन्वयक के रूप में मधुसूदन सुंदरीयाळ, रोहित भट्ट, दिनेश चंद्र टम्टा एवं सुश्री जसवीर कौर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं ने अभिनव थापर सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम पूरी निष्ठा, ऊर्जा एवं समर्पण के साथ संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेगी।

प्री थल सेना शिविर में साध्वी प्राची ने बांधा रक्षा सूत्र

◆सैनिकों एवं एनसीसी अधिकारियों के प्रति सम्मान और राष्ट्रसेवा के संकल्प का दिया संदेश

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। फोनिक्स विश्वविद्यालय में 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वावधान में संचालित प्री थल सेना शिविर में आज वरिष्ठ भाजपा नेत्री साध्वी प्राची दीदी ने विशेष रूप से पहुंचकर शिविर में उपस्थित फौजी अधिकारियों, सहयोगी एनसीसी अधिकारियों तथा सिविल स्टाफ को रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की।

रक्षा सूत्र कार्यक्रम में साध्वी प्राची ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा में समर्पित वीर जवानों और समाज के बीच विश्वास, सम्मान एवं आत्मीयता का प्रतीक है। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे एनसीसी अधिकारी, कैडेट्स एवं सहयोगी स्टाफ भी देश की युवा शक्ति को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की दिशा प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने एनसीसी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एनसीसी केवल वर्दी पहनने का नाम नहीं, बल्कि अनुशासन, चरित्र, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स से आह्वान किया कि वे शिविर में प्राप्त प्रशिक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर देश के जिम्मेदार और अनुशासित नागरिक बनें। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह, ऑनरेरी लेफ्टिनेंट अमर सिंह, सूबेदार सुभाष चंद्रा, सूबेदार सुनील सिंह बिष्ट, नायब सूबेदार सुनील सिंह, सूबेदार राम सिंह, बीएचएम केशवानंद, हवलदार पूर्ण सिंह, हवलदार निर्मल सिंह, कैप्टन सुशील कुमार आर्य, कैप्टन आलोक कंडवाल, फर्स्ट ऑफिसर संजीव कुमार, प्रशिक्षण अधीक्षक रवि कपूर, डीईओ संदीप बूडाकोटी, प्रधान सहायक प्रमोद जोशी, वरिष्ठ सहायक सुरेश अवस्थी, केयरटेकर अनुज कुमार सहित अन्य एनसीसी स्टाफ एवं कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

गोरापड़ाव डकैती कांडः 2 और शातिर बदमाश गिरफ्तार

◆2 तमंचे, 4 कारतूस, 1 वरना कार और लाखों की नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। गोरापड़ाव डकैती कांड मामले में फरार चल रहे दो और बदमाशों को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से दो तमंचे, चार कारतूस, एक कार व लाखों रूपये की नगदी बरामद की गयी है। मामले में 6 आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार होकर जेल जा चुके है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. मजूंनाथ टी.सी. ने बताया कि बीती 19 अगस्त को कोतवाली हल्द्वानी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के गोरापड़ाव में 10-12 हथियार बन्द लोगों द्वारा डकैती की घटना को अंजाम दिया गया है, उक्त सूचना पर तत्काल उच्चाधिकारीगणा को सूचित एवं कोतवाली हल्द्वानी से पुलिस बल को घटना स्थल गोरापड़ाव रवाना किया गया। मामले मं नारायण दास पुत्र रोशन लाल निवासी अम्बा बिहार तीनपानी हल्द्वानी जनपद नैनीताल द्वारा तहरीर दी गयी कि 10 अज्ञात हथियार बंद बदमाशों द्वारा शोरुम के पीछे स्थित उनके आफिस/गैराज गोरापड़ाव तीनपानी में डकैती डालकर उनसे व उनके परिचितों के लगभग 8 लाख रुपये, 12 मोबाइल फोन व 3 सोने की चेन व अंगूठी आदि लूट लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर डकैती की तलाश शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान घटना में प्रकाश में आये आरोपी यश सिडाना, वंशप्रीत सिंह उर्फ पन्नू, रखवीर सिंह, अमनदीप सिंह, शिवराज सिंह, अफजल मलिक को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जबकि अन्य फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु गठित पुलिस टीम द्वारा लगातार अन्य राज्यों में दबिश हेतु टीमों को रवाना किया गया था। इस डकैती प्रकरण में प्रकाश में आये दो और आरोपियों को पुलिस ने बीती रात एक सूचना के आधार पर हल्द्वानी-पंतनगर एयरपोर्ट के पीछे से गिरफ्तार किया गया। उन्होने उस डकैती कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए अपना नाम साहब सिंह उर्फ साबी पुत्र जसवन्त सिंह निवासी ग्राम गज्जीपुर, थाना मिलक खानम, जिला रामपुर, उत्तर प्रदेश व गुरवन्त सिंह उर्फ गोपी पुत्र जसवीर सिंह, निवासी ग्राम नूरपुर, थाना स्वार, जिला रामपुर, उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने उनके पास से दो तमंचे, चार कारतूस, कार व 1 लाख 40 हजार की नगदी बरामद की है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबन्धन

संवाददाता

देहरादून। हर्षोल्लास के साथ भाई-बहन के अटूट रिश्ते का त्यौहार रक्षा बंधन का त्योहार मनाया गया। इस दौरान लोगों ने पतंगों पर भी अपने हाथ आजमाइश किये।

आज प्रातः से ही घरों में भाई-बहन के अटूट प्रेम का त्यौहार की रौनक दिखायी दे रही थी। एक दिन पहले से ही इस त्यौहार की रौनक बाजारों में दिखायी देने लगी थी। जहां एक ओर बहनें अपने भाईयों के लिए तरह-तरह की राखियां खरीद रही थी और मिठाईयों की दुकानों पर रौनक थी। सुबह से ही लोग रक्षा बन्धन के त्यौहार की तैयारियों में लग गये थे। बहने अपने भाई के लिए नये-नये पकवान बनाने की तैयारी में लग जाती है। क्योंकि वर्षो से यह मान्यता रही है कि रक्षाबंधन से पूर्व न ही भाई और न ही बहनें अपने भाई को राखी बांधन से पहले मुंह को झूठा (कुछ खाते नही है) नही करते हैं। भाई के घर पहुंचने पर बहनों ने पूजा की थाली तैयार की और अपने भाई की लम्बी उम्र की कामना करते हुए भाई को तिलक लगाकर उसके हाथ में राखी बांधी तो वहीं भाईयों ने बहन को उसकी रक्षा का वचन दिया। दोपहर तक भाईयों का बहन के घर जाने व बहनों का अपने भाईयों के यहां आने का सिलसिला जारी रहा।

वहीं रक्षा बंधन के बाद लोग अपनी- अपनी छतो पर पतंगे उडाने के लिए एकत्रित होने लगे। इस दौरान आसमान पर पतंगे ऐसे छा गयी थी जैसे आसमान पर रंग बिरंगे सितारे दिखायी दे रहे हों।

शक्तिपीठ माँ वाराही धाम देवीधुरा में हुआ मुख्यमंत्री का स्वागत

हमारे संवाददाता

चम्पावत। विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ वाराही धाम देवीधुरा में आज आयोजित ऐतिहासिक बग्वाल मेले में प्रतिभाग हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हेलीकाप्टर से देवीधुरा पंहुचें, हेलीपैड पर कैबिनेट मंत्री राम सिंह केड़ा, जिलाधिकारी मनीष कुमार पुलिस अधीक्षक रेखा यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर हेलीपैड पर पारम्परिक लोकनृत्य छोलिया से मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया, इस दौरान पुलिस बल द्वारा मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी, जिलाध्यक्ष भाजपा गोविन्द सिंह सामंत, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्त्ता सतीश चन्द्र पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने हेलीपैड पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

रक्षाबंधन पर कंगना को मिठाई व उपहार भेजकर बाबा रामदेव ने किया विवाद को खत्म!

संवाददाता

हरिद्वार। बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत और योग गुरु बाबा रामदेव के बीच पिछले दिनों शुरू हुआ विवाद अब खत्म होता नजर आ रहा है। रक्षाबंधन के मौके पर बाबा रामदेव ने कंगना के लिए मिठाई और तोहफा भेजा और उन्हें बहन बताते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

बाबा रामदेव ने कहा, बहन कंगना रनौत को गिफ्ट और मिठाई हम बाई पोस्ट भेज रहे हैं। किसी भी वजह से देश में नफरत नहीं होनी चाहिए और न ही एक दूसरे के प्रति बैर की भावना होनी चाहिए। इसलिए हमने बैर का परित्याग कर दिया है। पिछले दिनों एक विवाद उठा था कि स्वामी रामदेव और कंगना के बीच कहीं विवाद तो नहीं हो गया है।

◆कंगना ने बाबा रामदेव को अपना बड़ा भाई बताते हुए उनकी भेजी मिठाई और प्रेम को स्वीकार किया

इस विवाद को संवाद से खत्म करें और आज हम बहन कंगना को फोन भी करेंगे और उनको बोलेंगे कि बहन कंगना रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं।

बाबा रामदेव और कंगना रनौत के बीच पिछले दिनों एक मुद्दे को लेकर तीखी बयानबाजी हुई थी। कंगना ने युवाओं को लेकर जनरेशन गटर टिप्पणी की थी, जिस पर रामदेव ने आपत्ति जताई और उनके बयान पर सवाल उठाए। इसके बाद कंगना ने सोशल मीडिया पर रामदेव को जवाब देते हुए उनकी टिप्पणियों को मर्यादा के खिलाफ बताया था।

कंगना रनौत ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि त्योहारों का मकसद गलतियों को भूलकर रिश्तों को मजबूत करना है। कंगना ने बाबा रामदेव को अपना बड़ा भाई बताते हुए उनकी भेजी मिठाई और प्रेम को स्वीकार किया। उन्होंने इंस्टा पर लिखा, त्योहार का दिन होता ही सब भूल-चूक माफ करने के लिए है। मेरे भाई बाबा रामदेव जी ने बहुत अच्छा कहा कि विवाद नहीं संवाद होना चाहिए। आज रक्षाबंधन के दिन मैं उनकी मिठाई और बड़े भाई का प्रेम, दोनों स्वीकार करती हूं। बहुत धन्यवाद, ईश्वर आपको लंबी आयु दे।

लोकभवन में उल्हास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व!

हमारे संवाददाता

देहरादून। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आज लोक भवन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) को रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए रक्षाबंधन को प्रेम, विश्वास और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया।

इसी क्रम में सेपियंस स्कूल विकासनगर, हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स उत्तराखण्ड, समर वैली स्कूल देहरादून तथा देवभूमि इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल हरिद्वार की छात्राओं ने भी राज्यपाल को राखी बांधकर शुभकामनाएं प्रेषित की। राज्यपाल ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स उत्तराखण्ड तथा समर वैली स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों ने देशभक्ति समूह नृत्य प्रस्तुत किया। एसओएस चिल्ड्रन विलेज के बच्चों द्वारा 'राम आएंगे' गीत की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में आध्यात्मिक एवं भावनात्मक रंग भर दिया। सेपियंस स्कूल, विकासनगर के विद्यार्थियों ने 'रक्षा बंधन-राष्ट्र के प्रत्येक रक्षक का सम्मान' विषय पर लघु नाटिका के माध्यम से देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले वीर जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का संदेश दिया। वहीं देवभूमि इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, हरिद्वार के विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने छात्राओं एवं बच्चों के साथ संवाद करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित पर्व नहीं है, बल्कि यह सुरक्षा, विश्वास, जिम्मेदारी और परस्पर सम्मान की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों से लेकर समाज और परिवार की सुरक्षा एवं कल्याण में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त करना इस पर्व की भावना को और व्यापक बनाता है।

राज्यपाल ने लोक भवन में रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल हुई सभी बहनों और छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके स्नेह और शुभकामनाओं ने इस पर्व की आत्मीयता को और बढ़ाया है। इस अवसर पर छात्राओं को राज्यपाल की ओर से स्मृति-चिह्न भी भेंट किए गए।कार्यक्रम में लोक भवन के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित संबंधित विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।